



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 195] नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 10, 1989/चैत्र 20, 1911
No. 195] NEW DELHI, MONDAY, APRIL 10, 1989/CHAITRA 20, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी वासी हैं जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 1989

सां. का० नि० 437 (म) :— भारत सरकार, कम्पनी कार्य विभाग की 18 अक्टूबर, 1972 की
प्रधिसूचना संख्या सां. का० नि० 443 (म) के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की
वारा 594 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शर्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार, वित्त
मंत्रालय (कम्पनी विधि प्रशासन विभाग) विनांक 4 अक्टूबर, 1957 की प्रधिसूचना संख्या सां. का० नि०

3216 (जिसे जिनमें इसके बाद अधिकृतना कहा गया है) में आशिक उपान्तरण करते हुए कम्पनी विधि बोर्ड एतत्प्राप्त यह निर्देश देता है कि मैसर्स वारटन चिलियम्स टेलर बी बी, बम्बई (जिससे इसमें इसके बाद कम्पनी कहा गया है) के मामले में यह एक विवेशी कम्पनी होने पर उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) की अवैधार्थ जैसा कि वे किसाव विदेशी कम्पनी पर लागू होने के सबध में अधिकृतना द्वारा उपान्तरित की गई है, निम्नलिखित प्रपत्तियों तथा उपास्तरों के अधीन रहते हुए लागू होती, अर्थात्—

यदि कम्पनी 31-12-1986, 31-12-1987 एवं 31-12-1988 को समाप्त वित्तीय वर्षों की बाबत भारत में समुचित कम्पनी रजिस्ट्रारों की निम्नलिखित की तीन प्रतियों प्रस्तुत करे तो उक्त धारा 594 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के उपबन्धों का पर्याप्त अनुग्रह द्वारा समझा जायेगा—

- (1) भारतीय शास्त्र द्वारा प्राप्त प्राप्तियों तथा किये गये भूगतानों का विवरण पत्र जिसका प्रमाणीकरण (1) अधिनियम की धारा 592 की उपधारा (1) के खण्ड (य) के अन्तर्गत भारत में प्राप्ति की सेवा स्वीकार करने के लिये प्राप्तिकृत किसी व्यक्ति, तथा (2) भारत में कार्यरत शास्त्र-प्राप्त सेवापाल द्वारा किया गया है।
- (2) उपर्युक्त मद (1) में वर्णित प्रक्रिया में यथा निर्विष्ट ढंग से प्रमाणित भारत में कम्पनी की परिस्थितियों तथा देयतामो का विवरण, तथा
- (3) उपर्युक्त मद (1) में वर्णित व्यक्तियों के द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित उस आशय का प्रमाण पत्र कि कम्पनी ने 31-12-1986, 31-12-1987 एवं 31-12-88 को समाप्त वर्षों के दौरान भारत में कोई आपार नहीं किया।

कम्पनी विधि बोर्ड के भावेश से,

[संख्या 14/15/88-सी एल-6/सी एल -3]

के. एम. गुप्ता, अबर सचिव

(कम्पनी विधि बोर्ड)

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Company Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th April, 1989

G.S.R. 437 (E) :—In exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (1) of Section 594 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) read with the Government of India, Department of Company Affairs, Notification No. G. S. R. 443 (E) dated the 18th October, 1972 and in partial modification of the Notification of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Company Law Administration) No. S. R. O. 3126 dated the 4th October, 1957 (hereafter referred to as the Notification) the Company Law Board hereby directs that in case of M/s. WHARTON WILLIAMS TAYLOR B. V., BOMBAY. (hereinafter referred to as the company) being

a foreign company the requirements of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594 as modified in their application to a foreign company by the Notification shall apply subject to the following further exceptions and modifications, namely :—

It shall be deemed to be sufficient compliance with the provision of clause (a) of sub-section (1) of the said section 594, if in respect of the financial year ended on 31-12-1986, 31-12-1987, 31-12-1988 the company submits to the appropriate Registrars of Companies in India in triplicate :—

- (i) A Statement of receipts and payments made by the Indian Branch, certified by (1) a person authorised to accept service of process in India under clause (d) of sub-section (1) of Section 592 of the Act; and (2) a Chartered Accountant practising in India.
- (ii) A statement of the company's assets and liabilities in India certified in the manner as indicated in item (i) above; and
- (iii) A certificate duly signed by person as indicated in item (i) above that the company did not carry on any business in India during the year ended on 31-12-1986, 31-12-1987 and 31-12-1988.

By order of the Company Law Board,

[No. 14/15/88-CL. VI/CL. III]

K. M. GUPTA, Under Secy. (Company Law Board)

